FPO से जुड़कर महिला किसान हो रही है स्वावलम्बी

गुड़ाबांधा प्रखंड के भालकी पंचायत में सुँड़गी गाँव के मारेडीह टोला की महिला किसान ने मिलकर नय आड़े जल उपभोक्ता समूह नाम से संगठन बनाई और 5 एकड़ बंजर भूमि को अपने श्रमदान से खेती योग्य बनाई। जहाँ पहले कभी कोई फसल नहीं होता था आज वहाँ मिर्च का पौधा लहलहा रहा है। संगठन से जुड़ी महिला किसान बाले मुर्मू, माही मुर्मू, पावरा मुर्मू, कंदरी मुर्मू, मेरी मुर्मू एवं सोनिया मुर्मू का प्रयास से आज स्वर्णरेखा नदी के किनारे स्थित खेत से मिर्च का तोड़ाई आज किसान दिवस के मौके पर करती हुई बहुत ही उत्साहित एवं प्रफुल्लित हो रही है।

कृषि अधिकारी, FPO एवं NGO का रहा है सहयोग

वर्ष 2015 में टाटा ट्रस्ट के सहयोग से एवं घरोंज लंहाती महिला उत्पादक प्रॉड्युसर कंपनी से जुड़ने के बाद इन महिलाओं को खेतीबाड़ी में काफी मदद मिला । इसमें टैगोर सोसाईटी ने भी मदद किया। पहले इन किसानों को सोलर पंपसेट के द्वारा पाइप लाइन के माध्यम से सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई गई। उसके बाद पहली बाद इन लोगों ने साढ़े चार एकड़ जमीन में बैगन की खेती की । इससे प्रोत्साहित होकर इस साल पूरे साढ़े चार एकड़ जमीन में एक ही फसल मिर्च का खेती इन महिलाओं ने की है। खेत की जानवरों से सुरक्षा के लिए झटका फेसिंग घेराबंदी की व्यवस्था की गई।

घरोंज लंहाती के चेयरपर्सन अकली टुडू ने दिलाई बाजार की सुविधा ।

घरोंज लंहाती के एरिया कॉ–ऑर्डिनेटर मोनी कुमार इन महिलाओं को हर समय साथ देते रहे है। घरोंज लंहाती कंपनी ने इन महिलाओं को अपने में से जोड़कर तकनीक और उत्पादन क्षमता बढ़ाने में सहयोग की।

आत्मा के प्रसार कर्मी ने हौसला बढ़ाया और जिला कृषि पदाधिकारी मिथिलेश कुमार कालिन्दी, जिला उद्यान पदाधिकारी अनिमा लकड़ा ने भी इन महिला किसानों का उत्साहवर्धन किया जिसके सहयोग से आज ये महिलाएँ अन्य किसानों के लिए एक प्रेरणास्रोत बनी कि कैसे विषम परिस्थिति को अपने अनुकुल बनाकर अपने ही गाँवघर में रहकर पंरापरागत खेती बाड़ी को आधुनिक तकनीक से करके अपना आर्थिक स्थित को मजबूत किया जा सकता है।

आज किसान दिवस के दिन की गई मिर्च की पहली तोड़ाई

घरोंज लंहाती FPO के दुर्गा मुर्मू के अनुसार आज किसान दिवस के मौके पर मिर्च की पहली तोड़ाई की जा रही है। महिला किसान बाले मुर्मू, माही मुर्मू और पावरा मुर्मू अपने खेत में फसल दिखाती हुई बहुत खुश नजर दिख रही है।

महिला किसानों के द्वारा की गई मिर्च की खेती